

३७२५

होहइये दीवजोशा
जिई

नई छिन्दर सत्ता

तालीइ डीया

मुनशी सैयत भाहुमुद मुतजल्लुस "जहरीइ" ने



शेय्यर { महरसेमें ग्याशजोडे गुसडी पीसमी ल्वाहरो,
छिस्का पहेवाही सजड यारो इना डी ल्वाहरो.

ALL RIGHTS RESERVED.

मुंजर्छ:- जॉम्ने सिटि प्रेसमें छपा हये.

छि.स. १८८८.

जीम्मत हो ग्याने.

હમણાં છપાઈ બાહેર પડ્યો છે.

ગુલશને બેખાર

ઉદ્ધ

તમાશાહાએ પુરબહાર.

«કે જેની અંદર નીચે લખેલા ઉરુ ખેલો, ખેલસાઓ,
ખંદગીઓ, જનન્રાના ગાયનો, તથા મુંજરાઓમાં ગવા-
તી ૧૫૦ ગજલોનો સંગ્રહ કીધો છે.»

ખેલોના નામ:-

- | | |
|--------------------------|----------------------------|
| ૧. અન્નમે સખાવત. | ૮ ચંદબદન મોહીયાર. |
| ૨. નકશો સુલેમાની. | ૯ મદ્રેઝના (અફસરે ચરત્તર.) |
| ૩. નઈ ઈન્દર સત્તા. | ૧૦ ખેલસા. |
| ૪. તમાશાએ ચાંદખી. | ૧૧ ખંદગીઓ. |
| ૫. બકાલવીઓ તાન્નુલમુલ્ક. | ૧૨ જનન્રાના ગાયનો. |
| ૬. શીરીન દરહાદ. | ૧૩ મુંજરાઓમાં ગવાતી |
| ૭. અલીબાબા ચાલીસ ચોર. | ૧૫૦ ગજલો. |

કિંમત રૂપીઓ સવા.

આ પુસ્તક ઘણું જ સરસ અને રમુજી હોવાનાં છપાયું છે.
જેની ખુબી વાંચ્યા પાકી કદાપી માલમ પડશે નહીં. જે નકલ મં-
ગાવશે તેની ખાસેથી પોસ્ટેજ ખર્ચ લીધામાં આવશે નહીં.
મેહતા જમનાદાસ ભગવાનદાસ કુલુલેશ્વર મુંજઈ.

તોલકાએ દીલકોણા ઉર્ફ નર્ઈ ઈન્દર સભા.

તખ્તએ નાટક.

ગુલબરશાહ અખેતરનગરકા બાદશાહ.
 વજીર ગુલબરશાહકા
 ગુલદામ પીસરે ગુલબરશાહ.
 ઈન્દર શેહેનશાહ પરસ્તાન.
 સગ્ગપરી પરચોંકી અંદસર વ માઅશુકે ગુલદામ.
 પુષરાળપરી
 નીલમપરી } સભાએ ઈન્દરકી રકડાસેં વ મુગનીએ.
 તાલપરી
 તાલદેવ } ફરમાબરદારે રાબ ઈન્દર.
 કાલદેવ
 ચોબદાર - નનુમી - ખવાસ - દરબારી - રઈયત - વગએરા.

મુકામ - અખેતરનગર - સંગલદીપ - પરસ્તાન.

ઈતિલાએ જરૂરી - એ નાટક સને પદ્મજી કેરમમે કાયદેકે
 મુતાબીક રજીસ્ટર ક્રિયા હુએ. ઈસલીયે ઈસકા કોઈભી બાબ
 જરૂ હુઈમેં યા ગુજરાતી હુઈમેં મેહેલા જમનાદાસભગવા
 નદાસકી કંપનીકી રબબગયેર કીતીનેં છાપના નહીં.

ખાબ પહેલા-પરદા પહેલા તખ્તગાહ.



(સિંખલાઈ દેના મોઝમદખ બચઠે હુવે વહારો, અમીરો, અહલે
કારોકા મઝે રામીશાગરોકે ઓર નેદાકરના ચોખદારકા આ-
મદે શાહી.)

મુસદ્દસ.

ચોખદાર—આમદ હય ખાસોઆમમેંગુલઝારશાહકી.

આમદ-હયબસદ શોકતો હશમત પનાહકી.

કયા શાને તલમ્મુલ હયઉસ આલીબ્નહકી.

જી નત દોચંદ ક્યું ન હો ઈસ ખારગાહકી.

ફીર ક્યું અહુ ન હોવે સભી ખ્યારો બરઆબ.

હય આમદે "હરીફ" રહે નામદાર આબ.

नई छन्दरसत्मा .

(3)

(गाना गुलनरशाह का जर्जरी मूर दरबार में और उठना पराग्ये
ताश्मलुमके दरबारीओं का खुलुस मूरमाना शाह का
तफ्ते नरनेगारपर और गाना रामीशगरोने)

बनेगीया आसावरी-हुमरी .

नायो नावो रान्न-तर्ज .

रामीशगरे-डायम रहे ताश्मलुम तेरी सलतनत अये शाह-टेक .

गुलनरशाह हय नाम तेरा अय रहे आलम ;

सर सज्जर रहे आगे नलम्मुल तेरा हरदम-डायम .

अफ्त यमके नीत तेरा नयुं मेहरे मुनव्वर ;

नरी रहे अये अहलो सभायत तेरी णुशतर-डा० .

दीन रात रहो शाह तुम शाह असद ईकराम ;

अप हय "हरी इका" येही अपस आपेरी कलाम-डा० .

(दिलगीर होना शाह का न होनेसे दरबंदके और दोग्या करना न-
नाये प्यारीमे वास्ते वारेसे तफ्ते)

पीलु-गलल .

झिराता हय हमें कहां कहां-तर्ज .

शाह-छलाही शुक्र हय अलहद तेरा अय पालेके परवर ;

तेरे अहसानकी गहडी हय लारी मेरी गरदनपर-छि .

तुने अजनआमते अहे तरसे मुनकु परवरीश करके ;

दिया इतया दीगर आला करमसे तेरे अय हावर-छि

इल्लसे तेरे हय मौनुद सज्ज दुष्ट या णुदावांदा ;

(४)

तोहृदये दिल कोशा .

उक्ति

चले अके शायदा हुं सायल ओ नलदीसे येनायत कर-छं
तु हे इरलंद अके पुशदि अही हय अपारजु मेरी;
नहि कोई दुसरा वारेस के अयछे एस हकुमत पर-छं
मेरी आंओं कु हंडक हो अे देपुं मंगे हयातीमें;
नीकालुं हसरतें सारी मंगे दीलकी शाह होहोकर-छं
पुदाया हय तुने रोशन ने आलेऊपर गुजरती हये;
नही दुदरतसे तेरे दुरगर अे उमीद लावे पर-छं
(मुभातीअ होना तरङ्ग वलरके और कहेना वास्ते लाने ननुमीके)
वलरअप नुदतर न कर पुला ला तुं ननुमी कु;
“हरीद” उस्से मुकदरका मंगे पुछु हाल सय यकसर-छं
(आना ननुमीका इअइ शाहके और आदाअ अन्न कर अडे रहेना .
दिर कहेना शाहने वास्ते दर्यात हस्व हालके)

अहन्स-भसनवी.

नकर लालदेव-तर्क

शाह-

हुनरवर तु अपगौर कर नुदतर, अता हाल सयसय ने हो सरअसर .
मेरे नअ दिलका हो मरहम अगर, लगादेता तस्कीन पावे नगर .
अयां कर अजुअी नरा सौअ कर, हो राहत मेरे दिलकु कुछतो मगर .
(अयेछ नना ननुमीने तसलीम करके और देअना
अपनी किताअमें और झेंडना डुररे
दिर अर्क करना शाहसे दस्तअस्ता होके)

नर्घ छन्दर सत्ता.

(५)

आसावरी-मसनवी.

महारान् डीले-तर्क.

नन्नुमी-

हो सुतवले हूँ छिस तस दुअये ननाय, सुनो हाव सारा अईये हीसाय.
मंये हो अहरे तशवीश में गोत नन, नीका लाहुं अन मोल अये नोरतन.
मुकदूर मे हये आपे अये पीसर, अये नाथत करेगा ओर अन्नुदतर.
हो आसा नी जूजी में ओ अश सधर, लसे हो शरमाये शम्सो डमर.
बले छिस्में घोडा हय अय शाह अये, हो जारा जरस डा आ शाह न्हाने ड.
हो आश ड परी छिस दु देन यगी, गमोर मडसद दीवी अपने जर लायगी.
जयांवार आ हवाल सारा कहा, "हरी डूँ" छिस्में सुतलक नहीं शकरा.

(हुजारा दीलगीर होना शाह का हाल सुनके नन्नुमीसे
ओर नना, नन्नुमीने आहाल जन्नकर.)

अहन्स-मरसीया.

हाये हाये-पीसर-तर्क.

शाह-

पुछायो अये कये साहये नेरो सीतम, जुशीका सुना मुन्हाती स्पे अगेम.
लगर पर मेरे अज अये पुना नजम, हाय अइ सोसगम वाय अइ सोसगम.
रन्न पर मेरा लहुं तेरे पुछा, मेरे हागे दील दु तु करे न्नुहा.
"हरी डूँ" आरनु हये मेरी अये सदा, हो अये आइत न्नुहा हो अये आइत न्नुहा.

(आना ज्वांस का पुश जेजरी सुनाने के

लीये.)

मुअम्मस.

पेवारा-हो शाह दीलसे अअअय शाहनशाहेनामवर,
 हुकने अता डीया हुये न्ने जेगमकु अंक पीसर,
 माहताअ ३ हुये नेक ओ शाहब्बदा जज्जवर,
 उर दुर दीलसे गम सणीअय शाहे पेुश सयर,
 दरगाहे हुकमे शुक्र करो अअज जुकाके सर.
 (जुशी होना शाह व दरबारीओंका और शुक्र करना प्यारे
 तग्यालाका सत्तोने.)

परब - डालींगडा.

उर कर कर-तर्.

सअ-शुक्र हुये हश्मान तेरा अय डीरतार,
 जरग्याई उमीह हुमारी अहसां हुय तेरा प्यार-शुक्र.
 मवला तु सरतान दीनो न्हांका,
 पालेक परवर सअका तु दुलका हुय मुज्जतार-शुक्र.
 तेरे सीवा डौन हुय हुडीमे मुतलक.
 दरहे दीलका दरमां तु साहेज सरन्नहार-शुक्र.
 इगल हुवा हमपर तेराअय करीम,
 ताजअे इरमां तेरा हुय "हुरीइ" हरपार-शुक्र.

आज पेहेला-परदा दुसरा (रास्ता.)
 (आनारेआयाका जुशवडती करतेहुवे शाहके नन हीक न्नेनेको

નઈ ઈન્દર સાભા.

(૭)

બરાબ્રે ઈનિઆમકે.)

બહેલા-કાહારવા.

સાડે ત્રીન પૈસે-તર્જી.

સાબ-આવો ચારો ખુશી કી ખુબ ધુમ મચાવો,
ખુબ ધુમ મચાવો ખુબ ધુમ મચાવો-આવો.
પહેલા-લડકા પચેદા હુવા હય શાહકે વહાં ખુશર,
દુસરા-સારે શેહર મેં ખુશવકતી કી શોહરત હય હરસુ-આ.
ત્રીસરા-શાહને અયેસી મુનાદી ફેરી અયશ કરો સારે,
બે કુછ હો દરકાર બસકો આવે પાસ હમારે-આ.
પહેલા-અલો તબતો બનકર ચારો લે આવે કુછ બર,
દુસરા-ખાવેં પીવેં મળે ઉઝાવે ઈસ્સે કયા ખેહતર-આ.
ત્રીસરા-અયશો તરબ મેં જસર કહંગા મંઝે અપની ઝોફા.
પહેલા-રંગ રાગ મેં મચા રહંગા મંઝે તો દીનો રાત-આવો.
દુસરા-મારે ખુશીકે ફૂલ ગયા હું ચલના હય દુશવાર.
ત્રીસરા-ઉઠાલો મુઝંકુ ખાહે પર હું "હરીફા" દીલદાર-આ.

બાબ પહેલા-પરદા ત્રીસરા.

બાગ.

(દિખલાઈ દેના બાગબાંકા ફૂલ ચુન્તે હુવે
આના શાહબદે ગુલશામકા ઈરશાદ
કરના બાગબાંકુ વાસ્તે સેબકે.)



पीलु-लावनी.

(खगडी रंगत.)

गुलशाम-युनके डलीयां लाहे जागजां प्यारी प्यारी कुलों की,

सेन पलंगपर पीछाहे मुनकु सारी कुलों की.

ईस्में मेरा गुलशाम हुये और पीछर मेरा शाह गुलनर,

मुन आलुन्ये-मेहेरजां हुयगा हमेशां ओ सरदार.

तुरीयनाहे कुलों का और पहेनाहे कुलों का हार,

लुहकी जुसे-मोअतर हेमाग हो गम होये इरार.

तरेह तरेह की यीनें पना दीपलाहे जहारी कुलों की-से.

(हस्तजस्ता हो खर्क डरना जागजां का शाह नहे से.)

मनपुर — तर्क.

प्यागप्या-

आरास्ता कर रयेमा हय साहेज पलंग आपेडा दरगुलनर,
 कुलोंसे सारा सन्न हुं देओ छिठी हरसु मेहुडार-
 डीसम डीसमके गुलदस्ते ओर हय ओ लो तुरा तैआर,
 रहो शाहमां-हमेशा तुम अय मेरे शाहके दीलदार-
 "हरीइ" अजआराम करो हय सेन संवारी कुलोंडी-सेन-
 (नना प्यागप्यांका आदाज जन्न कर पुश होना शाहन्नदेडा
 देजकर जाओ छोडेहु.)

पेहाग-गनल-

गयरत न आछि-तर्न

गुलशाम-शुकरे पुहाके छिन दीनो गम दीलसे दुर हुये;
 दुरते पुशीडा दीलमे अन्नयेज ऋदुर हय-शुकरे-
 डोठा यमनंमे रशके दहे डोहे तुर हये;
 आदर पलंगपे अयसी जीछा गोया नुर हुये-शुकरे-
 अजतो "हरीइ" राहमे लुशां वदुर हये;
 सो रहुं नके नीन्दसे आंजेली युर हुये-शुकरे-
 (आराम करमाना शाहन्नदेडा छपरघरपर आना परीडा
 तजतपर जयकर सयर करते हुवे जाजमेंओर
 देजकर शाहन्नदेहु जेकरार होना.)

लयेरवी-हुमरी-

छोरी जामनडी-तर्न-

(१०)

तोहूइये दीलडोशा.

उई

सुअपरी-सोने छिलइत सज तनमनमेरा नखाने लगी;
हुस्न जशर ड्या डरेजे न्न हय इहू मेरी छलराने लगी-सो.
जुजीये गुलई दीलमें जसगई वस्लजीना तरसाने लगी-सो.
“हरीइ” दीलसे लुस्म से मेरे ताजोतवांसज नने लगी-सो.

(ननहीइ नके.)

गुला पीलु-गलल.

हुरोंके होश — तर्ज.

परी-ड्या जुज नो नवान ये न्नेशे राजाजमें,
सोया हय जेजजर जसा अेतरो गुलाजमें.
नुलईं मौंजमजरी हय परेशा ज अयेने नान;
देजेसे लुस्के दील हय पडा पेयो ताजमें.
अंगुस्तरी नीशानी में अपनी दे न्नीती हुं,
तसलीम हय “हरीइ” तुम्हारी ननाजमें.
(नना सजपरीका शाहनदेहु अंगुशतरी पेहेनाके व
हाथोंहु जोसा देकर.)

ज्याज पहेला-परदा न्योथा.(नंगल.)

(वास्ते सजरेके अनारान्धरछा और अहा करना हम्हे जुहा)

पहाडी अंजोरी-जन्नरा.

हुई सुज्ही नी डल — तर्ज.

छंदर-मावेहुल मुल्ल लाजेनला, जे अयेज हये तुहुत आला.

લાયેક હમ્મ કે જેશક સુજાં, જલ્લાકે મુતલક રહ્યાં, હ
તેરી નત હયે અફ્નલો આલા - જે અયેજ.



અરશો કુરસી લોહોક લમકા, હુરોગીલમાં કુસુરો નઅમકા-હ
મુખ્તાર તુફી શાહેવાલા - જે અયેજ.
તેરી કુદરત હયે ચક્રતાર્થ, શેહનશાહ કુ જક્ષે ગદાર્થ, હ
જક્ષે ગદા કુ રૂતબા ડુંબાલા - જે અયેજ.
પરખત કુ કરે પલમેં રાર્થ, સમન્દર કુ બનાવે ખાર્થ, હ
તુ કાદર કુદરત વાલા - જે અયેજ.
તેરા બુલ્લા હયે સંગો ગૌહરમેં, તેરા નુર હયે શમ્સો કમરમેં, હ
ઓતરફ હયે હસકા ઉભલા - જે અયેજ.
ક્યા ગદા ઓ ક્યા તાનદારે, મોહતાન તેરે હયે સારે, હ
કુલ નહાંકા પાલન વાલા - જે અયેજ.

(੧੨) तोहूँ अये दील कोशा. उई
 हुम्ह दीस्से जयां हो तेरी, है अइल यहाँ तऊ मेरी, ~~अ~~
 हुये "हरीइ" तेरा मतवाला — जे अयेज.
 (अअइ तअरीइ डरना जुइकी.)

पीलु-अअयात.

रान्न हुं भंअे कोमइआ और छन्दर मेरा नाम,
 जीन परीयों के दीइके नही मुनेहू आराम.
 सुनोरे मेरे देवरे दील को नही डरार,
 (हानेर होना लालदेव और डालेदेव का
 ईजइ रान्न के मोअइज जडे रहेना.)
 नलही मेरे वास्ते सत्ता डरो तैयार.
 तज्ज जीछावो नगमगा नलहीसे छिसआन,
 मुनहु राज तर जअेछना महइली डे हरम्यान.
 मेरा संगलहीपमें मुल को मुल को रान्न,
~~अ~~ मेरा हुये याहता नलसा देजुं आन.
 लावो परीयों को मेरी नलही नडर हां,
 जारी जारी आन डर मुनरा डरे वहां.
 (अना छन्दर का साथ देवों के)

आज पहला-परदा पांचवा. हरआर.

(दीजला छेना हरजारीयों का भंअे देवो योजहारों का छन्दर की
 आमदगाते हुवे)



जींजीरी-गुल्ल.

उरडे तन्हा मुनेहु अये होस्तो-तर्न.

सत्तामें होस्तो छंदर की आभद आभद हुये;
 परी नमालोंडे अइसर की आभद आभद हुये-सत्तामें-
 जुशीसे ये ये लालुम हुये सुरते जुलजुल;
 अज छिसचमनमें गुलेतर की आभद आभद हुये-सो
 इरोजे हुस्नसे आंजोंडो अज उरो रौशन;
 जमीपे मेहरे मुनव्वर की आभद आभद हुये-सत्तामें.
 (आना छंदरडा लीजासे नरीन पहेने हुवे

(१४)

तोहइअे दीलडोशा

उई

औरअयेठना तज्जपर सर जुडाना दरजारी-
योडा जराअे तसलीमडे जजद आभद
गाना पुजरानपरीडी.)

डाई — गलत-

महुईले रानमे पुजरानपरी आती हुअे;
सारे माअशुकोंडी सरतानपरी आती हुये-म
लुसडा साया नडली ज्वाजमे देभा होगी;
आदमीनदमे ओआनपरी आती हुये-महु
दौलते हुस्नसे हो नथगा आलम माअमुर;
उरने एसजलममे अजरानपरी आती हुये-म

(आना पुजरानपरीडा सलामे जाते हुये और तसलीम
करना छन्दको.)

लुसा पीलु-गलत-

पुजरानपरी-

गातीहुं मअे और नाय सदा डाम हुये मेरा;
आडाडमे पुजरानपरी नाम हुअे मेरा-गाती.
इंदेसे मेरे कोई नीकलने नही पाता;
एस गुलशने आलममे जीछा दाम हुये मेरा-गा
मअे लाजेडी हो लाजेडी परवा नही रजेती;
डाइंका जलना अल छनआभ हुये मेरा-गाती.
उहेतेहुये लहांमे लसे छनसां गुलो सुम्बुल;

નઈ ઈન્દરસભા.

(૧૫)

વો રૂખ હજે વો ગેસુજે સીયાહ કાંમ હયે મેરા-ગા.
જદ મસ્ત મુઝેહ દેખ કે હોતી હજે ખુદાઈ;
માઝમુર મંજે હુસ્નસે કયા નમ હજે મેરા-ગાતી.
કરતી હું દીલો નંસે મંજે રાનકી પરશ્તીસ;
કહેતે હયે જીસે કુદૂ ઓ ઈસ્લામ હજે મેરા-ગાતી.
(ખુશ હોના ઈન્દર કા ઓર દરજવાસ્ત કરના ગાને કે લીયે)

ખંનરા.

હુઈ સુજ્હો નીકલ-તર્જ.

કયસે કયસે જવાં માહુપારા, ગયે છોડ જહાંકા પસારા;
જડે જડે શહેનશાહ જાલી, ગયે ઓળી હાથલે ખાલી, જી
કયા સીકંદરો જમ દારા- ગયે છોડ.
હુવે હુવે પેદેલવાં ને નામી, રિસ્તમો ઓ શામગીરાંમી, જી
ઉઠા કબને ઉનકો દે મારા- ગયે છોડ.
પુરે પુરે થે ઈશકમે કાયેક, ફરહાદ ઓ મનુશાયેક, જી
કોહો દસ્ત થે જીનસે આવારા- ગયે છોડ.
અછે અછે તજીજો હકીમાં, નલી નુસ ફલાતુ લુકમાં, જી
આગે અનલકે ના ચલા ચારા- ગયે છોડ.
કીયે કીયે હબ્બરો તસવ્વર, ખેહેઝાદવો માની મુનવ્વર, જી
શીકલ મોતસે હોના ગવારા- ગયે છોડ.
ગયે ગયે ઓ ગુલર રંગીલે, ખુબી તરે સરાપારસીલે, જી
મેહજબીં ફીસુંગર નનરા- ગયે છોડ.

(१६)

तोहूइअयेहीलकोशा.

उई

रहे रहे बने राबुरबनमें, आजिर गये वो मुल्के जकामे, ल
हूजे "हरीइ" तु जेस हारा - गये छोड.

(ताअरीइ डरना छन्दरने पुजरान पारीडी
और दरेज्वास्त डरना नीलमपारीडी.)

पशर डालींगडा-हुमरी.

छन्दर-

पुजरारीआया नायके गाके, पहेलुमें मेरे जयेछ तु आके.

पुशहु छतुनसे महदीलसारी, अज हये नीलमपारीडी जारी. पु-

(आमद गाना नीलमपारीडी.)

गुला-गलल.

सलामेंआमद नीलमपारी हये, सरसर ओ नन्नडतसे लरी हये-स०

सीतारोंकी अपक नती हयेआजे, ओउस्के जरमेंमलजुसेनरी हये-स०

गलल गाना हयेऔरउस्कायमकना, कलीनेकरा कलीबोमुशतरी हये-स०

नदेजाहोगानायअयेसा कीसीने, जलाहयेसेहेर हयेनहुगरी हये-स०

(आना नीलमपारीका सलामें गाते हुवेऔर तस्लीम

डरना छन्दरको.)

गुलापीलु-गलल.

नीलमपारी-हुरोंके होश उडतेहये उडनेकी शानपर;

नीलमपारी हये नाम मेराआसमानपर - हुरोंके.

अल्लाहुके डरमसे नमानेमें हये उइल;

कुडताहये सर इलकका मेरे आसतानपर-हु०

नर्छ ईन्दरसत्ता.

(१७)

छिनसांकी ज्या ह्ये अस्तके पुतला ह्ये जाडका;
 लन जेल नते ह्ये तेरी जिलइतमें ननपर-हुरोंके.
 नीलमझी युमयाटके आंजोपे रजते ह्ये;
 शोहरा ह्ये मेरा न्नीहरीयोंकी दुकानपर-हुरोंके.
 छितै नही ह्ये मेरी ननऊतपे कीसे होश;
 रजते ह्ये दुल हाथ गुलीसतांमे डानपर-हुरोंके.
 न्नेहरा मेरे ज्यालमे घुन्ती ह्ये सरसहा;
 भरते ह्ये तानसेन तराने कीतानपर-हुरोंके.
 रजुश होना ईन्दरका घरबज्यास्त करना औरगानेकेलीये)

जंनरा.

हुँ सुज्जे नीकल-तर्न.

नीलमपरी-

लसयेनमे ईश्वर समावे, सो तरेहु की घुम मयावे;
 हर शस्त्रेमें ईश्वर जपा ह्ये, कंही नहैर कंही छुपा ह्ये, ल
 लघर होजो छिहर ननर आये- सो तरेहु.
 हो कीरुमका ईश्वर ह्ये नननो, पाड ईश्वर हु की की भानो, ल
 और मेनल अयेश भनाये- सो तरेहु.
 मशहुर मसल ह्ये कीसीसे, गर ईश्वर लगे मेंडकीसे, ल
 पदमनी न भनकी लाये- सो तरेहु.
 लस जशरपे एसका साया ह्ये, उनी येन नयोपाया ह्ये, ल
 जे शुमार रंन जेठाये- सो तरेहु.

(१८)

तोहूँ के छिलडोशा.

छिड़

जुल जुलती गुलपे दीहाहूँ, परवाना शमनपे सदाहूँ,
कुरजान नपसडो नलावे - सो तरेहूँ.

सये छिड़ हूँ यकता हुनरमें, तासीर करे पथरमें, ल
पानी कर छिसडो जहावे - सो तरेहूँ.

छिड़ करत हूँ छिनीनोवाही, भालो हुस्नडी लसमेतजाही,
ये "हरीके" हीलडी सुनावे - सो तरेहूँ.

एताअरी के करना छिन्नरने नीलमपरीडी और घरकेवास्त

करना लालपरीडी.)

लाला - हुमरी.

छिन्नर -

दीजा येडी तु करतज सारे, पहेलुमे अजजयेह हुमारे-दि.
जिया सलामे तुने नाम, अज हूँ लालपरीडा जाम-दीजा.

(आमदगाना लालपरीडी.)

देस - गनल.

सलामे लालपरीडी सवारी आती हूँ,
नमाने रंग अज छिन्नरडी प्यारी आती हूँ - सलामे.

शकुं मे आयेगा ठुमट नजर सीतारोंका,
पेहनके सुर्जवी पोशाक लारी आती हूँ - सलामे.

हसीन जनमके शाहीसे जील पडेगे तमाम,
गुलोंके वास्ते जाहे जहारी आती हूँ - सलामे.

(बाना लालपरीडा सलामे गाते हुये और तसलीम करना छिन्नरके.)

बालापीलु-गनल

बालपरी-

छनसांझ काम हुस्तपे मेरे तभाभ ह्ये,
 नेडा ह्ये सुर्ज बालपरी मेरा नाम ह्ये-छनसांझ.
 याकुत नर जरीह ह्ये सरकारका मेरे;
 नौकर अकीक बाल जहजशा गुलाम ह्ये-छनसांझ.
 आशकु कुल करती हुं अजरकी तेगसे;
 दीन रात मुनको जुन जहानेसे काम ह्ये-छनसांझ.
 पीशाऊ मेरी सुर्ज ह्ये मुजडा ह्ये यांछसा;
 देजो शकुमे रातको भाह तभाभ ह्ये-छनसांझ.
 सोजीपे मेरे हुते ह्ये मुरगे यमन हुलाल;
 हर गुलकी नुस्त जागे नहामे हुरांभ ह्ये-छनसांझ.
 मीररीज मुनसे होता ह्ये हरदम न्ने पुजपु;
 उरता लहु लगाई शही दोंमे नाम ह्ये-छनसांझ.
 रं पुश होना छन्दरका घरज्यास्त करना और गानेकी ते

जंनरा.

हुई सुज्जे नी कल-तर्न.

बालपरी-

भनभोहन करे धोंगाना, कही पनघट क्येसे ननना;
 कहे सोजीयनसे पनहारी, यलो पनघट भीलकर सारी, क
 नीर नीरमल तरकर लाना-कही.

(૨૫)

તોહુડુંએ દિલ જોશા

બીફી

નારી નીકસી અપને ઘરસે, તન સન ઘેનકર ને વરસે, જ
પહેન પાતલ અંગ સોહાના- કહો.

સીસા ઘડા હાથિ મેં ઝારી, ચેલી હુમકત હુમકત પ્યારી, જ
ન્યું ચેલે હાથી મસનાના- કહો.

ગોરી પતલી હમર લગ્યે કાચે, નયસે મસ્ત નાગન મયેલાવે,
દેખ આશક હુવા હુએ દીવાના- કહો.

જા કુવે પે ચંચાલ ઠારી, નલ તરન લગી મતવારી, જ
સજ સાગ્રીયાં ગાવે ગાના- કહો.

કહે સુંદરસે પીયુ પ્યારા, તેરી અઘાને મુનકો મારા, જ
તુ શામશ મંએ હું પરવાના- કહો.

જોલી મોહનસે મતવાલી, ચેલ સરક ન ડુંગી ગાલી, જ
મત "હરીદે" હમકો સતાના- કહો.

૯ તાઅરીફ કરના ઈન્દરને લાલ પરીકી ઓર દર-

જ્વાસ્ત કરના સજ્જ પરીકી-૭

પીલુ-હુમરી.

ઈન્દર-

ઠારીરાત મને હુમે સારી, જએઠ મેરે પહેલુ મેં પ્યારી-કાઠી.
જહોત લડાઈ તુને બન, અજ હુમે સજ્જ પરીકા ધ્યાન-કાઠી.

૯ આમદ ગાના સજ્જ પરીકી-૭

બોહાગ-ગજલ.

આતી નયે અંદાનસે અજ સજ્જ પરી હુએ;

नर्छि छन्दर सत्ता.

(२१)

सज सुर्ज हुये पर सज्ज हुये पोशाक लरी हुये आती.
 डीरोन छिसे छेज के जा नता हुये हीरा;
 ये हरे मे नर भुई से सीवा नुख गरी हुये - आती.
 नेयरडी हुये कथा शान ये हरे से जदन पर;
 ये क शान हुये नानु हडे संगुडी से लरी हुये - आती.
 ए जाना सज्ज परी का सत्ता मे गाते हुये और तसलीम

करना छन्दर डी.

ठाला-गनल.

सज्ज परी - भाय भुर हुं शीजी से सरारत से लरी हुं;
 घानी मेरी पोशाक हुये में सज्ज परी हुं - भाय भुर.
 ज्या अस्त हुये सज्ज डी मेरी हुस्न के आगे;
 डीरोने से पुश रंग नर्मर दसे जरी हुं - भाय भुर.
 जे लेती हुं हील आंज डीरी शितों से भी लाकर;
 छिनसां हुये जला ज्या में नही लन से उरी हुं - भाय भुर.
 शीखला हुये ललुडा हुये गनल हुये मेरा गुस्ता;
 नलनन छे परी नद ने मंछे गर्भ नरी हुं - भाय भुर.
 लन्ता न रजेगा मुनेहु सुन लेगा नैरान;
 शहेनदा छे गुलझंमडी सुरत पे भरी हुं - भाय भुर.
 पोशमअ मंछे परवाना हुं वो सर्व मंछे कुमरी;
 वो गुल हुये नहां में मंछे नसी मे सहरी हुं - भाय भुर.
 ए आराभ करना छन्दर का और छेजना सज्ज परी ने नबडी नद
 अखद कहेना छेयतरे हसा.

ઠાલા-પીલુ.

રાબ્બજીતી સો ગરબે દીઆ ન કુછ ઈનઆમ.
 બતી હું મંચે જાગમે ચહાં મેરા કયાકામ.
 ટ નાના સજ્જપરીને કાલેદેવકો જીલાકરે)

જાજ પહેલા-પરદા છઠ્ઠા.રાસ્તા.

ટ આના સજ્જપરીકા કાલેદેવકો લીએ હુવે.)

ઠાલા-પીલુ.

સજ્જપરી- સુનરે કાલે દેવરે તુ મેરી એક જાત,
 આતીથી રાબ્બકે ઘર આનકી મચે રાત.
 રહેઝાદા ચક જાંમપર સોતાથા નાઘાન,
 બ્નેજન ઊસકા દેખકર નીકલી મેરી નન.
 બીતરી અપને તબ્તસે તીર કલેને જાએ,
 સોતાથા આ જો જબર હાથ પાણિ ફેઅલાએ.
 સુરત ઊસકી દેખકર દીલસે ગયા કરાર,
 મુંહપર મુંહ મંચેને રજા કીયા ખુજસા પ્યાર.
 દીલ મેરા લગતા નહી મહફીલકે દરમ્યાન;
 કાલેજ મેરા હુએ ચાહાં વહાં હુએ મેરી નન.
 બીસ કુ ગર તુ લાવે ઊઠા કર નલદી ચાર,
 લીંબી મચે હો નજીંગી તેરી બે તકરાર.

नहीं छेन्नरसत्ता.

(२३)

— पता पूछना कालेदेवने सज्जपरीसे.)

— भनकुर-तर्न.

कालादेव- घरमे रान्नेडे हुये तु सज्जपरीयोङ्गी सरदार,
तुनसे कर सकता नही हरगैल भये छेन्नकार.
तेरी जातेर हुये भुनेह सज्जसे यांहूं सेवा,
पता जता भयश्चुङ्का जावुं अली गिहा.

— (पता जताना सज्जपरीने देवकी.) —

— भनकुर-तर्न.

सज्जपरी- न्य तु संगलदीपसे आजतर नगरमे हूं,
सोता हुये येऊ भाहेरे लाल महेल पर बहूं.
छल्ला में देआई हूं अपना गिसे नीशांन,
सज्जनगुंकी आजसे तु गिसे कुपसे छान.

— (नना कालेदेवका शाहून्नेडी लानेके वास्ते और

— सज्जपरीजानना जागमे.)

— जाज पहेला-परहा सातवां.

जाग.

— (ले आना कालेदेवका शाहून्नेडी पलंगपर सोखे

— जुवे और उड़ेना सज्जपरीसे.)

— जभांये.

कालादेव- लाया शाहून्नेडी भये न्नेडे हींदुस्तान,



તુ અપને માઅશુકકો સજ્જપરી પએછાન.
 (નના કલેદેવકા ઝીર કહેના સજ્જપરીકા ખુશ હોકર)

મનકુર-તર્ક.

સજ્જપરી-યેહી શાહનદા મેરા એહી હએમેરી બન,
 એ મેરા દીલદાર હએ ઈસપર મએ કુરજાન.

(શાહનદાકા શાના પકડકર હીલાના)
 સોતે હો ક્યા જે ખબર છોડ કે ઘરજાર,
 આંખે ખોલો લાડલે નીન્સે હો કુશયાર.

(છુપનના સજ્જપરીકા શાહનદેકો ભગાકર ઝીર ઉઠેના
 શાહનદેકા ઘભરાકર કહેના આલમે હયેરતમે
 પલંગપર ખએઠે હુએ.)

नर्छि छन्दरसला-

(२५)

मनकुर-तन.

गुलझाम-जीहा मेरा क्या हुआ छुराजीघर भडां,
सोचाया भंजे कीस नगे आया हुं उहां.
नाओ मेरे लोग हुये नाओ मेरी न,
प्याज भंजे हुं देजता नगरहा हुं यां.
(उतरना शाहून्देडा पलंगसे खीर उहेना आ-
लमे गिल्ले रारमे.)

लखेरवी-गलल.

गुलझाम-घरसे यहां डौन जुहाडे लीयेलाया मुनडी;
कीस सीतभगारने सोतेसे नगाया मुनडी.
हुकने क्या प्याज परेशांये दीजाया मुनडी;
ननर आता हुये न खपना न पराया मुनडी.
नींदसे आंज कीसीडी न जुली डोढे पर;
छिहडे मुलडे न युंगलसे छुटाया मुनडी.
हुयेई सद हुयेई कीसीने न जजरली मेरी;
क्या अल्लने मेरे दीलडो लुलाया मुनडी.
तादमे भर्ग अज छिमीद रेहा छिडी नही;
कीस जलामे मेरे अल्लाहा ईसाया मुनडी.
(सुतहैयुर होना शाहून्देडा.)

(૨૬)

તોફાને દિલકોશ
જાણ પહેલા-પરદા આઢવાં.
મેહલ.

ઉડી



(શાહનંદના ચૌતરડું દેખકર કહેના.)

જેહાણ-કુમરી.

ગુલદામ- મુનેહ કીન ઘરસે લાયા યાંહાં,
જતાવી કોઈ ફર્યે એ કીસકા મકાં- મુનેહ.
સજા જીછે કોઈ સંગ ન સાથી,
અનળનેકો અપને મંચે પાવું કહાં- મુનેહ.
દીલકા કીસકો હાલ સુનાગિં,
સરપર મેરે જાપ ન માં- મુનેહ.

આના સજાપરીકા નાનકરતે ફરે ગુલદામકે તરડું ચીર
તાજલુજ કરના ગુલદામકા ગિસે દેખકર.)

ગલા-પીલુ.

સજ્જપરી-દેજો તુમ મેરી તરફે ઘરકા મત લો નામ;
 લોંડી મુનકો નનકર કરો યહાં આરામ.
 ને હોના થા સો હુવા નનેદો ખસ ખચેર;
 ચેલો ફીરો ખાવ પીવો કરો જાગઠી સચેર.
 ખતલાવો અખ હસજો નસખચોર તુમ અપના નામ,
 રહેતે હો કીસ કોમમે હયેગા કુંહાં સુકામ.
 ગુલકામ-ખીલવતમે રહેતા હું મંચે ચોર અયેશ હચે મેરા કામ;
 શાહનદા હું ફીંદકા નામ મેરા ગુલકામ.
 તુ ચોરત કીસ કોમકી હચે અપના નામ ખતા;
 એ દોનો શાનોપર તેરે નીકલા હચે ચી ક્યા.
 સજ્જપરી-કોમકી હુંગી મંચે પરી સખત નતુ હયેવાન;
 એ દોનો પર હયે મેરે અચ મુરોજ નાદાન.
 રહેતી હું મંચે કાફમે સજ્જપરી હચે નામ;
 રાન્ન ઈન્દર કે વહાં નાયે મેરા હચે કામ.
 ગુલકામ-નલદી એ ખતલા મુનેહ દીલકો હચે વસવાસ;
 મેરા આના કીસ તરફ હુવા હચે તેરે પાસ.
 સજ્જપરી-તુનપર મંચે આશક હુઈ ચેલતે ચેલતે રાહ;
 બિદા મંગાયા યાંહાં તુનેહ લેનકે દેવ સીઆહ.
 પદ્મરાના ગુલકામકા દેવકા નામ સુનકર ચોર
 મનાના સજ્જપરીકા ખીસકો.

તને રવી - મસતબી.

સબ્બપરી - સરપે આંખોં પે કલેને પે બીઠાવું તુનકો;
 આ મેરે પાસ ગલેસે મંચે લગાવું તુનકો.
 દીલોન્નસે મુનેહ ભાતી હય અદાએ તેરી;
 પાસ લા ચાંદસા મુંહ લુ મંચે જલાએ તેરી.
 લેટ પહેલુ મેં મેરે ઘરકું મંચે આબાદ કરે;
 તુનકો લીપટાકે ગલે વસ્લસે દીલ શાદ કરે.
 ગુલફામ - વસ્લકી તેરી કસમ ઘરમે હયે જાના મુનકો;
 ન જખરદાર અલીહાથ લગાના મુનકો.
 મુનકો નાદાંન સમન દુર હો દાંના કું મંચે;
 કોમકી તુને પરી હયે તો સેઆના કું મંચે.
 જેસ્યા તુનસી ઝમાનેમે ન હોગી જનહાર;
 આપ જદનામ ફુઈ મુનસે છુડાયા ઘરબાર.
 લેનકર દેવ મુનેહ ખીંચે જુલાયા તુને;
 આદમી નદકુ કુંદેમે ફેસાયા તુને.

સબ્બપરી - ભંઠગીકા હયે મનહ અયેસી મુલાકાતોમેં;
 ચીંચેલે મુનસે જધારો ન નરી ખાતોમેં.
 શુક્ર અલ્લાહકા કર લડગઈ કીસ્મત તેરી;
 ચક્ર જયક મુનસી પરીકો ફુઈ ઊલકેત તેરી.
 તુનકો દીવાને નહી શર્મ નરા આતી હયે;
 ખ્યાખમેલી કહી ઈનસાંકે પરી આતી હયે.

नहीं छिन्दर सत्ता.

(२५)

देज पयेता छोगा भेरा न्ने जुवा दील हीगा;
वस्स तुन हुन परीका कली हसील हीगा.
गुलझाभ- घरके छुटनेका हूओ गभ आहो दीगां करताहुं;
वस्सका वायदा छिस्त शर्तसे हां करता हुं.
सुनी छिन्दरकी सत्ता मंछेने डहानीमें हूछे;
उसका अरमान भुने हुने शौ न वानीमें हूछे.
और नलसोकातो हां हीं छेमेंली यरया हूछे;
नाये परीयोका कली मंछेने नही देजा हूछे.
साथ अपने भुनेहले येलेके वो नलसा दीजला;
रान्न छिन्दरके अजाउका तमाशा दीजला.
सघेर मंछे तेरे सजज वांडीने अडे पार कुईं;
लुतेल कीर न कली वस्सका छिनकार कुईं.
छिन्नलर पाससे तेरे न उहीं नवुं मंछे;
ने कहे तु छिसे आंजोसे जन्न लावुं मंछे.
सज्ज परी- अयेसी आतोका जुजां पर नही लाना अछा;
नन्न आइतमें नहीं मुइत इसाना अछा.
देता छिन्दरके अजाउपे अजसन्नन हूछे तु;
सज्ज जेअकल हूछे दीवाना हूछे नादान हूछे तु.
अयेसी न सखेरको छिनसान नही येलेते हूछे;
वहां भेरी नन्न परीनदके पर नलेते हूछे.
आइत आ नछेगी तुन पर अरे अडे आनडे जीये;

आधमीन्नदडा कया काम परसतानडे जीये.
 डोठी रान्नकु जजर न्नडे लग्गा देवेगा;
 हुंड देगा वो भुनेह तुनकु नला देवेगा.
 न नलायेगा तो आइतमें ईसायेगा तुनेह;
 उयेद डरडे वो कुवे जीये अुकायेगा तुनेह.
 गुलइम- मंअे न मानुंगा न मानुंगा डली जात तेरी;
 डामडीस रोन्नडे आवेगी मुलाडत तेरी.
 जात न्ने अस्तथी मंअे अडलसे पवेछान गया;
 जाअेस र्छनकारडा ननी भेरा दीलन्नन गया.
 तु डीसी देवडी जीनमतमें वहां न्नी हूअे;
 र्छस लीअे मुनको सत्तामें नही ले न्नी हूअे.
 सज्जपरी- जात हरगेन ये नजांसे ननी डालो साहेज;
 होशमें आया नरा भुहुहु संताली साहेज.
 देवसे मुनकु जुरा काम न्ने करना होता;
 आधमीन्नदपे डीस वासते भरना होता.
 मंअे परी होडे और अयेसेपे ईदन्नन डई;
 अेजी अीरीपे मुवे देवकु डुरजान डई.
 गुलइम- दील हरअेक शान्सडा ईंदेमें ईसाती हूअे तु;
 अअे परी कयं भुनेह जातोमें डिताती हूअे तु.
 सुज्जो डोती हूअे मेरी न्नन डोठी आनडे जीये;
 लअेरवी येनडे सुना भुनकु परसतानडे जीये

નઈ ઈન્દરસભા.

(૩૧)

વહાં ન લેજીએગી તો જીસે ગુઝર નવુંગા;
આપ મંચે અપના ગલા કાટકે મર નવુંગા.
ગુલશામકા ખંનર નીજાલકર જુદકા ગલા કાટને ચોહના,
છીન લેના સખ્નપરીને ઉરકે હાથસે જંનરકુ ઓર
ફેંક દેના નમીનપર.)

સખ્નપરી- મુફતકી ચારખરાજ અપની નવાની તુને;
હાથે અફસોસ મેરી જાત નમાની તુને.
અજ ખીલેગા ન અજાનેસે ન માં જાપસે તુ;
શીરકે મુંહમેં મેરી નન ચેલા આપસે તુ.
થક ગએ હોટ કહાંતક અરે સમનવું મંચે;
ચેલ અજાડા તુનેફ ઈન્દરકા દીખા લાવું મંચે.
(નના ગુલશામો સખ્નપરીકા હાથ પકડે ફુલે.)

જાજ પહેલા- પરદા નબ્બા.
નંગાલ.

(આના ગુલશામો સખ્નપરીકા હાથ પકડે ફુલે.)

જાજા-પીલુ.

ગુલશામ- કીસતરફ ચેલનેપે નૈયાર મેરી નન ફું મંચે;
તુ પરીનદ હએ ચેલાક ઓર ઈનસાન ફું મંચે.
ઉકડે તુ નજીએગી એક પલમેં પરસતાનકે જીચે;
હાથ ફેએલાકે મંચે રહે નખિંગા અરમાનકે જીચે.

(३२)

तोहइअनेदिलडोश

छिई

झोई छिउ येअनेकी तदजीर जताई मुनकी;
पर कीसी देवके तु नौयेके लाई मुनकी.
सज्जपरी- जहकी जात नउरी होशमें आयो नननी;
न परीन्नदकु जेपर के छिउयो नननी.
ताली जन्नना सज्जपरीका और नभुद होना
हयाई तज्जका-)

थांमलो पाया मेरे तज्जका अज हातसे तुम;
छुद ननना न उहीं राहमे पर साथसे तुम.
मुनसे वां येअके झोई जात नउरना साहज;
पीछे पीछे मेरे तुम नायेमे रहना साहज.
गाइ और नायेके पुत सज्जकु जना दुंगी मंजे;
तुमको लेनके हरज्जोंमे छुपा दुंगी मंजे.
कीसी आइतमें अनेका अनेक अगार जाना नननी;
याद रहना के मुनेहु लुल न ननना नननी.
एजअइता सज्जपरीका पिर तज्जके पखेर पडडकर गुल-
शामका लटक ननना तज्जका छिपर हवाके-)

जाज दुसरा - परदा पहुला.

हरजार.

जिनर आना छन्दरहा तज्जपर जअहे हुवे मंजे हरजरीयोके,
आना सज्जपरीका गुलदामकी लीजे हुवे और पीशीदा



करना येऊ जानु पर.)

छंद.

सज्जनपरी- संत्तामें जुलवाके मुने आपडीया आराम,
आरै हुं मंछे दिर यहाँ करने अपना काम.

परन-हुमरी.

मोरी अंजीया ईरऊन लागी;
ऊहां गयो थार डी धर गरै सजीयां-अजीयां.
नखें नन में दी लहार जसत हूछे;
ये अंजीयां अलमास परजीयां-अंजीयां.
देह कुडत हूये लया तरपत हूये;
प्रीत लगाके मनह हुम अजीयां-अंजीयां.

(૩૪)

તોફાન ધીલકોશા

ઉર્ફ

જલજલ ન્નળે મંચે ઊસ્તાદકે;
જીરે સભાકે મોરી પત રાજીયાં- અંજીયાં.
(આના લાલદેવડા શોચલે રસામને ઈન્દરકે
-શીશાયત કરના ગુલદામકે આનેકી-)

મસનવી.

લાલદેવ- મહારાજકી હક રખે શાદ કામ;
નઈ અઝે હુએ આત કરતા ગુલામ.
મંચે ખાતાથા ઈસ દમ ચમનકી હવા;
હકીકત આ દેખી કે હોશ ઉડ ગયા.
શબર હુએ પુરાના ને શમશાદકા;
ગુઝર હુએ વહા આદમી નદકા.
નહી કરતી અસ્લ મેરી અકલ કામ;
વો ઈનસાન હુએ ઘાડે માહેતમામ.
બીસે કોન લાયા યહાં અપને સાથ;
ઈસી ફીક્રમેં કબસે મલતા હું હાથ.

(સુજાતીબ હોના ઈન્દરકા તરફ દરજારીયોંકે સજ્જપરી-
કા કહેના લાલદેવસે આલમે યાસમેં-)

ખરહન્સ-મસનવી.

સજ્જપરી- નકર લાલદેવ ઈસ તરફકે કલામ;
અરેબે મુરચ્ચત નજાં અપની થામ;
ખુદાકે ગનજસે નરા ધીલમેં કાંપ;

નર્ઈ ઈન્દરસભા.

(૩૫)

ચુગલ ખોરકે મુંહુડુ ડસતે હંચે સાપ.
પરીકી તરફ દેખ આહમક ન ખન;
ખુરાઈચે ખાનખા ખઝોલે હસન.
કીસીકી ખદી તુ ન કર અયેખ હચે;
કે ઉસકા ખુદા આલે મુલ ગયેખ હચે.
દીલે આશક ઈસ ખાતચે હીખ ગયા;
તુનેહ હાયે કમખખત ક્યા મીલ ગયા.
(પુછના ઈન્દરકા ગનખમે આકે લાલ દેવસે.)

મનકુર તર્ન.

ઈન્દર- અરે દેવ તુ હચે ચેક્યા ખક રહા;
મેરે ખાગમેં કામ ઈનસાંકા ક્યા.
કુવાં કીસ તરેહ યાં ખશરકા ગુનર;
પરીન્દોં કે દહશતસે નલતે હચે પર.
કદમ રખ સકે જનકી ક્યા નન હચે;
કીરીશતોં કી યહાં અકલ હચેરાન હચે.
કીસી દેવસે આશનાઈ ન હો;
પરી કોઈ સાથ બિસકો લાઈ ન હો.
બિસે ખીંચે લાપાસ મેરે શીતાખ;
કે ગુસ્સેસે હચે હાલ મેરા ખરાખ.
(નના લાલદેવકા નનદીક ગુલકામકે ઝોરપુછના ગુસ્સેસે
ઉસકો ડરના ગુલકામકા બિસે દેખકર.)

મસનવી.

લાલદેવ - જશર હૃદયે લે ન હૃદયે સાચા હૃદયે તુ;
 પરસતાં મેં ક્યું કર આચા હૃદયે તુ.
 ગિઠા આંખ કર નલ્લ મુનસે ખયાં;
 ખીઠાયા તુનેહ લાડે કીસને ચહાં.
 ચમનકા કોઈ ગુલડે ખુટા હૃદયે તુ;
 સીતારા વયા ખનડે દુટા હૃદયે તુ.
 પરીપર ને શયેદા તેરા દીલ ફુચા;
 અખાડેમે ઈન્દરકે દાખેલ ફુચા.
 મેરે સાથ ચેલ નલ્લ અયે જૈશગિર;
 ખુલાયા હૃદયે રાનને અપને હુન્નુર.
 (લાના ગુલકોમકો લાલદેવકા ખીંચેતે ફુવે રેખરે
 ઈન્દરકે સૌર અર્ન કરના.)

મસનવી.

લાલદેવ - હનુરીમે હાનેર હૃદયે એ શોઆલે રે;
 મહારાન સાહેબ નીચાહ રેખરે.
 ખનન આપકા હુકમ લાયા ગુલામ;
 ચમનમેં પોંહુચેકર કીયા અપના કામ.
 શનરકે તલેસે ગિઠાયા ઈસે;
 સભાકી તરફ ખીંચે લાયા ઈસે.
 ડરા મંચે ન કુચે ઈસકી ફરયાદસે;

નઈ ઈન્દરસલા.

(૩૭)

ઊડા લાયા કુમરીકુ શામશાદસે.
સીતમ કીલજીને સજાવાર હજે;
ખડા દસ્ત ખસ્તા ગુનાહુગાર હજે.
(પુછના ઈન્દરકા ગુલકામકી ગુસ્સેસે સજખ આનેકા.)

બ્રહ્મ-મસનવી.

ઈન્દર-અરે કીન હજે તુ તેરા ક્યા હજે નામ;
સલા મેરી કી તુને ખરહમ તમામ.
તુનેહુ કીન લાયા યહાં ખદ સીકાત;
ખયાં મુનસે કર નલદ એવારેદાત.
કીયા કસ્ત તુને પરસતાનકા;
ન ખોઈ આયા અપની તુનેહુ નનકા.
મેરી સારી મહુશીલકી લી આખરે;
યહાં ઘુરને આયા પરચોંકી તુ.
ખતા હાલ આનેકા અયે દર્દ નાક;
નલાકર અલીયર ન કર હુંગા ખાક.
(ખર્ન કરના ગુલકામકા હાથ નેડ કર.)

પીલુ-મસનવી.

ગુલકામ-કું ક્યા ફેલકકા સતાયા કું મંએ;
યહાં ખેલ કર ભપે આયા કું મંએ.
પરી સખ્ન હજે ને અખાડેમે યાં;
ઉસીકા કું દીવાના મંએ નીમન્ન.

(૩૮)

તોફાને ઘીલકોશ

ઉડે

સલાકી સદા ધુમ સુનતાથા મંચે;

ઈસી કીકમે સરકુ ધુનતાથા મંચે.

ઓ જાને લગી જાનકી રાજ બે યાં;

લટકકર હુવા તખ્તસે મેં રવાં.

જલામે પડા યાં ગીરફતાર હું મંચે;

બે ચાહો સજા દો ગુનાહગાર હું મંચે.

(દેખના ઈન્દરકા સખ્તપરીકી તરફ નીગાહ ગળજસે.)

ખહન્સ-મસનવી.

ઈન્દર- જરી ઓ પરી સખ્ત ઓ બે હયા;

મેરે સામને નહ આ જસવા.

થુડી હજે તેરી નત બુનયાદપર;

કે આશિક ફુઈ આદમી નહપર.

જનાયા જરી તુને ઈનસાંકુ યાર;

જકીલે હસન સુન તુ અચે નાજફાર.

તેરા રંગ ગયરતસે ઊડતા નહી;

તુનેહ કયા પરીઝાદ બુડતા નહીં.

સલામે લગા લાઈ ઈનસાંકુ સાથ;

તેરા અજ ગીરેબાં હજે જૌર મેરા હાથ.

(આરને ચાહના ઈન્દરકા સખ્તપરીકો છુડાના

સલોને આનેજ કરકે.)

પરન-હુમરી.

નર્ઈ ઈન્દર સભા.

(૩૫)

તોફે ડાલું અબ્બાનમેં-તર્ન.

સબ - છોડો માહુરાત મારો નાહી કીરપાકર,

એ પાપ ત્વચો પીતકે ખાતર-છોડો.

સગર દાસકી અરલ માન લે;

તુમ હાં દયાલુ મહા ચાતર-છોડો.

(અર્ન કરના સબ્બપરીડા ઈન્દરસે સર ઝુકાકર ચીર

નાદીમ કરના ગુલશામકોગલે લીપટા કર.)

જાલા-મસનવી.

સબ્બપરી- નફા ચી સીતમકી સબ્બાવાર હું;

હુકીકતમેં તેરી ગુનાહુગાર હું.

અરે હયું મંએ વાં તુનેસે કહેતીથી કયા;

ન માના મેરા હાએ તુને કહા.

જાલામેં પડા આપ લી બે ખતા;

મુંતેહલી અંખાડેમેં રેસવા કીયા.

કહાં રહેં અંખ દેખુ રાબ્બ તુનેહ;

ખુદાકુ મેરી નતન સોંપા તુનેહ.

ને જતે રહેંગે તો કીર મીલ નાએંગે;

નહીતો કીએંકી સબ્બા પાએંગે.

(જાલદેવકા દીનોકું બુદા કરના ચીર ગુલશામ

મકા આહુલર કહેના.)

ખબ્બરા.

(૪૦) તોફાનને દિલકોશા ઉઠે
 ગુલફામ-હાથે ઈશક પરીને હમારા, દીલકીયા હાથે પોરા પોરા,
 ચારો ઈશક અન્નને જળવા હાથે, ઘુંટા સદહકા ઈસને ગાના હ-
 જે ગુનાહ હન્નરોંકુ મારા- દીલ. (અન્ન
 કેહીં આશક જના હાથે કાફીર, કેહીં માઅશુક જન હુવા આહી-
 કેહીં છુપા કેહીં આશકારા- દીલ. (ર, ન
 કેહીં શીખ જના હાથે ફેરે જી, કેહીં દેતા જળરેં ગયે જી, ન
 કલી રીન્દોમેં નાથે પુકારા- દીલ.
 મનસુર કો સુલી ચેડાયા, સરખસ્તકે સરકો કટાયા, ન
 જોર શમ્સકી ખાલ ઉતારા- દીલ.
 મનનુ કો જન જન ફીરાયા, ફેર હાદને તેશા ખાયા, ન
 લાજેલા શીરીં પે નુલ્મ ગુબારા- દીલ.
 છેલ જલકિ મોહેના રાની, નલ દમનકો ફર દીયા ફાની,
 રાન્ન ફીરકો ફરકે આચારા- દીલ.
 ને હામે ઈશકમેં ફેસા હાથે, ઠલી રોધા કલીઓ હસા હાથે,
 એ “ફરીફ” કેહેવે જી ચારા- દીલ.

(ગુલફામઠા ગીતા કરના અપની કી સમતઠા)

તુ અરવી-ગુલ.

તુન કર અપને લીએ- તર્ન.

ગુલફામ- હમને ફર જાએઢે લલા તદજીર અપને હાથસે;
 આપ ઊલદી પુદ જાગુદ તકદીર અપને હાથસે- હમને.
 કર લીયા સામાને દીલમેં ઈશકકા અન્ન ફેરને શીક,

નઈ ઈન્દર સત્તા.

(૪૧)

જુદહી પેહની પાવુંમે બ્નનર અપને હાથસે-હમને.
હાએ વો સામાને કાએ ઈશક સબ બતા રહા;
ભસકુ થા હમને કીયા તાઅમીર અપને હાથસે-હમને.
હાશા અલ્લાહ હાએ નહી ઈસ માફુશકા કુછ કુરુર;
કર દીયા મંઝેને ઈસે દીલગીર અપને હાથસે-હમને.
સબ્બપરી-આહો નરીસે ભલા હોળાતુમે અજક્યાહુસુલ;
બજકે કર બઝેઠે તુમ્હી તકસીર અપને હાથસે-હમને.
કપું ન હો તશવીશ દીલ કો અજકમાલે દારોગીર;
મુકેત જો ડાલે ને કોઈ તોકીર અપને હાથસે-હમને.
ક્યા કરેં કીમત કી ખુબીકા જયાં હમ અએ “હરીફ”
હલકરો સબ મુશકીલોંકો ચીર અપને હાથસે-હમને.
રકહેના ઈન્દરકા લાલદેવસે ગુલકામકી ગિર-
ફેતારીકે લીએ.

ખાહુન્સ-મસનવી.

ઈન્દર - અરે દેવકર કસદ બેદાદકા;
પકડ હાથ ઈસ આદમી નદકા.
કુવા ઓન્ને હાએ કાફમેં પુર ખતર;
અલી બકે ઊસમે ઈસે કયેદ કર.
પરી સબ્બ હાએ ને એ આળે ખડી;
ખતા કી હાએ ઈસ બેસ્વાને ખડી.
સો તુ નોયેકર ઈસકે પર ચીર જાલ;

(૪૨)

તોફાનું અંધિલકોશા

ઉર્ફ

અખાડે સે મેરે અત્ની દે નીકાલ.

(ખજશીશ ચાહના ઈન્દરસે ગુલકામો સખ્ન-

પરીકી સખ દરખારીયોને.)

ભાલસા કલ્યાન-ઈચ્છે ભ તર્ન.

ભાઓ ભાઓ આદમ-તર્ન.

સખ-જક્ષો તુમ ઈનકી શાહ મેહેર કરે ખતા,

અર્ન હે હમારી હચેગી તુમસે ખર મલા.

સખપરી-અપને કીચે પે ખીચી પશોમાની જેશુમાર,

લીલસાહ જક્ષો અખતો ખતા હું મંચે શર્મ સાર-

સખ-જક્ષો.

ઈન્દર-કહજા ગુનાહ તુને તો હચે અચે સાહી કીયા,

હરગેલ ન તુને કો જક્ષુગા હો દુર ઢે હયા-સખ-જક્ષો.

પુજરાભપરી-સીનેસે અપને કીના કરો સાદે રાન્નભ,

લાલપરી-ભે કુછ કુયા સો ખચેર કરો માચાદે રાન્નભ-સખ.

નીલમપરી-કરદો રેફાઈ ઈનકી અખ શાહે ખુશ ખીસાલ,

કાલાદેવ-દુન્યામેં નામ આપકા રોશન હોન્યું હીલાલ-સખ.

લાલદેવ-ધત્તરા રહા હું અખતો અચે શાહે નામવર,

દો હુકમ અખ શીતાખ ખન્ન લાવું નુદતર-સખ-જક્ષો.

ઈન્દર-સખકા સોખુન મંચે રેખતા હું દેવ અખ તુન્ન-સખ.

પર નોચે કર નીકાલદે ઈસકી અંદી સખા. (જક્ષો.

સખપરી-લો આખેરી સલામ "ફરીફ" તુમ મેરા ચેફી,

નઈ ઈન્દરસત્તા.

(૪૩)

ઈન્દર-ચાઅલેકુ મુસ્સલામ ચેલોન્નવન્નવન્ન-સજ-જક્ષો.
તન્નના સવ્નપરીકા, ગુલક્રામકા ઈસકી બુદાઈમેં
આહ કરના.)

સારંગ-ગલલ.

આયા કહાંસે કાં ગયા - તર્ન.
ગુલક્રામ- જલવા દેખાડે ફુસ્નકા ઓ સીંમજર ગઈ,
જાલા સાદાગ દીલપર મેરે આહ કર ગઈ-જલવા.
અજરે ક્રમાં તીર મીઝે ચેશ્મ પુર સેહેર,
હર ચેફકી અદા જતા નાન્નુક કમર ગઈ- જલવા.
સોને ફીરાક સીનેમેં મેરે જડક ઉઠી,
કીયું કે બુદા હો મુલસે ચો પેશે નઝર ગઈ-જલવા.
કીસ્સે કહું મંગે હાલે દીલ અપના ન્ન અએ "હરીફ",
ને દદમંદથી આત્મી નફર નર ગઈ- જલવા.
ત હુકમ દેના ઈન્દરકા લાલદેવકી ગુલક્રામકો કયેદ
કરને કે લીએ.)

પરન-હુમરી.

તોહે ડાલુ અન્નજમે - તર્ન.
ઈન્દર- સુન દેવ ઈસે અજ ચહાંસે ની કાલ;
કર કએદ અંધેરે કુવેમેં ફીલ હાલ- સુન દેવ.
કોહે સીતમ ન્ન ઈસપે જીરાદે;
સત્તી તરાહકી ઈન્ન દે ઈતાલ- સુન દેવ.

(४४)

तोहूँ के दिल को शा

उई

(गुलशाम का आहो नरी से सज को सलाम करना.)

बोला- गलाम.

ईस आतशी डिल के तने - तर्ब.

गुलशाम- मंझे हो असीर नता हुं हज्जार को सलाम,
और जारगाहें शाह को मुज्तार को सलाम-मंझे.
तपते नमुररह तान को हशमत को नह को,
परीयों की और धवों की हरकार को सलाम-मंझे.
ईस जनम को सलाम और अयेशी नशात को,
राहत को रुकसो नग मंजे तरार को सलाम-मंझे.
नुलमों सीतम और शाह के अलता को करम को,
ईस आसीये हुडीर का सरकार को सलाम-मंझे.
जनमे नशीं तमाम को आजेर हुये अये "हरी हुं",
पुशमन अल्लन होस्त गम ज्वार को सलाम-मंझे.
(लेनना लालच का गुलशाम की जीयेते हुवे.)

जाज दुसरा- परदा दुसरा.

रास्ता.

(आजा सज्जन परी का हमरा परीयों को लीये हुवे.)

जंनरा.

सज्जन परी

मोह छांड कड़ा को सीधारा, नदवाल मुसाफ़िर प्यारा



દેહગાગયા પરદેસી, દીલ લગી કી અચેસી તયેસી, ન
 કંહા ગયા વી શીખ શારારા- નંદ.
 કીધી પ્રીત પંછીની સાથે, ભારી પગમાં કુવાડી હાથે, ન
 કેવા દુષ્ટ કરંમ છે મ્હારા- નંદ.
 ગેલાની ધુન કંનયે દેશાલા, ફૂટે પાહુવું અતાં મીલ્યાલા, ન
 પંડીતાસ ન્નવું વીચારા- નંદ.
 નીન સીવાએ અંનાનીરે, ગંઠલ દાગા એડી અલદુ, ન
 નવાં બનતુ દુટી નન ઘારા- નંદ.
 અએ મહેરે દરખશાં દીલે મન, વાથે બુલબુલે દીલેમાં ગુ-
 જ્યાં “ફરીદ” મકુન આવારા- નંદ. (લશન, ન
 (પુજારાન પરીકાતાલાગી ચારકે લીએ સજ્જ પરીકી પતા દેના.)

જનનરા.

પુજરાનપરી-

માન નેગન કહેના હમારા, મીલન એગા ઓતેરા પ્યારા
 ન્ન રેમ રેસ ઓર ઈરાં, માવરેન ને ફેર મુલ્કે તુરાં, ન્
 તાલાશ જાલ્જો જુજારા-મીલ.

તાતાર ચીન માંચી મેં, ઓર ખતા ખુતનડી નમી મેં, ન્
 ઈન શહેરી મેં હોગા આવારા-મીલ.

નેપાલ મુલતાં પીશાવોર, કશમીર અંજાલા લાહોર, ન્
 દેખ દેહુલી આગરા સારા-મીલ.

ફરજાબાદ ખરેલી કાનપુર, લખનવું ખનારસ બેનપુર, ન્
 કલકતા લાગલપુર ન્યારા-મીલ.

નજલપુર ગવાલીયર સાગર, ઈંદોર ખાનદેસ ન્યાગર, ન્
 શોલાપુર મેં ફોવે જીચારા-મીલ.

હુએ દરાબાદ મધેરાસ મયેસુર, ગુલજરગા શરીફો જીંગલુ
 ન્ન ધુન્ડ પુના સતારા-મીલ. (૨, ન્

ફીર થાને મેં આદીવાની, મુંજઈ મેં હો દીલનની, ન્
 ઓ "હરીફ" સીત્મ શઆરા-મીલ.

(ઘોગર પતા દેના લાલપરીઝા)

જનનરા.

લાલપરી-

કર નેગન હરસુ પુકારા, શપથ મીલે તેરા મહાપારા;

નઈ ઈન્નર સત્તા.

(૪૭)

પહુલે દેખવાલવા બંદર, ફીર દેખ ફીલેકે અંદર, ન

બોરી બંદર મચ્છેદાન સારા-શાયદ.

મારકીટ હનુમાન સેરી, ઘોલી તલાવુપે કર ફેરી, ન
ચંનીવાડીમેં હોવે ગુન્નરા-શાયદ.

ચીરા બન્નર ફૂનસ વાડી, ગીરગાવું વ રેપાવાડી, ન
પાંનરા પોલમેં હો દુખ્યારા-શાયદ.

ન દેખ લુલેશ્વર ચેકલા, મામાદેવીપે હો રંગીલા, ન
પાયે ધોનીપે હોગા બીચારા-શાયદ.

લીડી બન્નર મેમનવાડા, લાયબાલા નવાનાગપાડા, ન
ઉંકી ડોલપે હો આવારા-શાયદ.

કમાટ પુરેકા હર ચેકલત્તા, સફેદ ગલીમેં હોગા ભટકતા,
હોટલોમેં કર તુ નન્નરા-શાયદ.

તાલાશ નાંટકાં સારી, મીટ નચે તેરી નાચારી, ન
પાવે “હરીફે” ચો દીલઆરા-શાયદ.

(નના સખ પરીચોંકા.)

બાબ દુસરા-પરદા તીસરા.

નંગલ.

(આના લાલદેવકા ગુલશામકી નંનલોમેં નકડે હોવે
લેકર કુવેમેં કચેદ કરનેકે લીચે ચીર ગુલશા-

મકા યાદે માચશુકમેં ગમ કરના.)



જનનરા.

ગુલકામ-

તલપે હશે યહાં તેરા સાનન, કહાં છોડ ગંઈ જનનરન,
 અયે શીરી દહન ચેશ્મ અઈસુ, ફેરફાદસા હું મંચે મફતુ,
 મોહે જતા તેરા બાલા ને જન - કહાં. ૧૭
 જીન તેરે ચેચેન ના આવે, તેરી યાદન જીસે નવે, જી
 નપુ નામકી નીત તેરે સુમરન - કહાં.
 અયે રશકે મસીહા મેહેરબાં, જીમાર તેરા હું નીમન, જી
 નાહી ઈલાલ પુન જીન દરશન - કહાં.
 તદજીર કરું મેં હનરાં, તકદીર હુંસે ફોનાન, જી
 ક્યા ત્લાગમે મેરે લીખા જયેન - કહાં.

નઈ ઈન્દરસલા.

(૪૬)

અયે જનમી રહી જાં આવો, ગમે ઈશ્ક સે મુનકો છુડાવો,
કહું “હરીદે” મંચે કજ તલક કથન-કહાં.

(ગુલશામકા હાલે ઈશ્ક બ્યાન કરના.)

જેહાગ પરન-મરસીયા.

ગમ નદા માહુ આયા અલગ્ન-તન.

ગુલશામ- ઈશ્ક ચક નાગહાની જલા હુએ હાએ,

ઈશ્ક આદેત નદા જર મલા હુએ હાએ.

રાહે ઈશ્ક મેં ને કોઈ ચેલા હુએ હાએ,

આજેરશા ખાક મેં ચો મીલા હુએ હાએ.

ઈશ્ક દારિલ ફેના હુસ્ત અલગ્ન,

ગુફત મેં અલ જનાલ વગીરીયાં.

હાએ કુરકત વાએ નહુમત,

હાએ દેજો હાલત પરેશાં.

હાએ કુરકત હાએ કુરકત વાએ- ઈશ્ક.

ઈશ્કને જે તરહુલા ફેસાયા હાએ,

ને ન દેજાયા ઈસને દીખાયા હાએ.

સો ને કુરકત સે તન મન નલાયા હાએ,

આજેર ચાહે અલમ મેં ઝુકાયા હાએ.

ગર કુનદ ઈશ્ક જા ફોસ ચારી,

હયે ચે ન ચાદેત જનુન આહો નરી.

હાયેરે જખેત વાએ કુરકત,

(૫૦)

તોફાનને દિલડોશા

ઉર્ફ

કહે "ફરીફે" હો નાલાં.

હાએ ફેરકત વાએ ફેરકત વાએ-ઈશક

(લેબના લાલદેવકા ગુલકામકો ખીંચતે હવે કુચેમેં.)

ખાજ પુસરા-પરદા ચોથા.

નંગલ.

(આમદ ગાના નેગનકી)

કલ્યાન-ગનલ.

ખિન્ન સજ મુકતમેં-તર્ક.

નેગન આતી હુએ પરી જનકે પરસ્તાનકે જીયે,

સુમરને હાથોમેં મુંદરે હુએ પડે કાનકે જીયે-નેગન.

સરપે એંડવાહી રખે મુહુપે રમાઈ હુએ લલ્લુત,

સએલીયાં ડાલી હુએ ગરદનમેળીરેખાનકે જીયે-નેગન

ચાલ મતવાલી હુએ આંખે હુએ મયે ઈશકસે લાલ,

મસ્ત શાહુનદએ ગુલકામકે હુએ ધ્યાનકે જીયે-નેગન

(ખાના સજ પરીકા ગએરવી લીખાસમેં.)

લએરવી-હુમરી.

નેગન-મંએતો શાહુનદકું હુંડન ચેલીયાં,

અંગ લલ્લુત નેગન જન મલીયાં,

છાન ફીરી સજ ગલીયાંરે-મંએતો.

ઠાચ નવત હુએ ડર નહી આપત,

નઈ ઈન્દરસભા.

(૫૧)

હમ મહેલોકે પરીચારે - મંચેતો.
સીસ બીકસગયો પાણી ફલસગયો;
ધુપમે બનબન ચેલચારે - મંચેતો.
લટ છટકાકે લેસ બનાકે;
દેસ બદેસ નીકલીચારે - મંચેતો.
તન કુમતા ગયો મુજ મુરઝા ગયો;
નચેસી ગુલાબકી કલીયાં - મંચેતો.

(આના કાલેદેવકા ચૌર સુન્ના જગૌર ગાના નેગનકાબના ચહાંલે)

બાબ દુસરા - પેરદા પાંચવા.
દરબાર.



(૫૨)

તોફાંએ દિલકોશ

ઉડે

(આના કાલેદેવકા રૈબર ઈન્દરકે ઝીર તઅરીફ કરના બેગનકી)

આસાવરી-મસનવી.

કાલાદેવ- ખુદા રાન્નઠકી રખે શાદમાં,
ને નન ખજેશીતો ખોલુ નખાં.
પરસતાનમેં નેગન એક આઈ હુએ,
ખલાયેક સખ ઊસકી તમાશાઈ હુએ.
વો હુએ નાચતી ગાતી ઈસ આનસે,
કે ણન સદકે હોતે હુએ સોનનસે.
મલી હુએ ભલુત ઝીર અફશાં ચુની,
ન દેખી હુએ નેગન ન અએસી સુની.
(કુકમ દેના ઈન્દરકા મુશતાક હોકરંગ)

મનકુર - તર્જ.

ઈન્દર- ન કર દેર અએ દેવ ખેહરે ખુદા,
અખાડેમેં મેરે ઊસેં નલ્લ લા.
મંએ દેખુ વો નેગાંન હુએ કીસ શાનકી,
પરી હુએ વયા કીસ્મ ઈનસાનકી.
કીસી દેવ ણનકી સતાઈ ન હો,
મેરે પાસ ફરયાદ લાઈ ન હો.
ન લાએ વો કુછ ઝીર દીલમે ખ્યાલ,
દીખાએ મુનેહ આંકે અપના નખાલ.
(બના કાલેદેવકા તસલીમેં ફરકે.)

નર્થ ઈન્દરસલા.

(૫૩)

જાળ દુસરા-પરદા છઠ્ઠા.
નંગલ.



(આના સજ્જનપરીકા ફીરાકે ગુલફામમેં ભટકતે હુવે.)

કાલીંગડા-ગનલ.

અગરહમ જાળમાં-તર્ન.

ભેગન-કહાં પાવું તુનેહ દીલબર કીધર નવું કહાં ઢુંડું,
તેરે બીન હાલ હુએ અજતર કીધર નવું કહાં ઢુંડું-કહાં.
તેરી કુરકત સતાતી હુએ ન શાજકો નીન્દ આતી હુએ,
ન દીનકો યેએન હુએ દમતર કીધર નવું કહાં ઢુંડું-કહાં.
પરેશાં હાલ ફીરતી હું જયાં જાંમે ભટકતી હું,
ચેડા હુંએ અજલ નુ સરપર કીધર નવું કહાં ઢુંડું-કહાં.

(૫૪)

તોહરૂંએ દીલકોશા

ઉડે

શમઅરે તુ મંએ પરવાના ખતા સુરત તેરી નના,
તસ્દુક તાકે હું તુનપર કીધર નવું કહાં હુંડું-કહાં.
“હરીફ” અખ ક્યાકરે તદખીર નહીં કામઆતી હયેતકદીર,
કહાંઅખ નકે ફોડું સર કીધર નવું કહાં હુંડું-કહાં.
(આના કાલેદેવકા ઓર પએગામેં ઈન્દર સુનાના)

આસાવરી-મસનવી.

કાલાદેવ-અરી નેગન અખ દીલમે હો અપને શાદ,
ડીયા હએ તુનેહુ રાન ઈન્દરને યાદ.
ડીસીસે તેરા સુન લીયા હએ ને હાલ,
સુવાકાતકા શોક ઉસે હએ કમાલ.
મેરા દર કરના ઉસે શાક હએ,
તેરે નાવેજાનેકા ખુશતાક હએ.
મુરાદ અખ તેરે દીલકી ખર આએગી,
ને માંગેગી યો યીન મીલ નએગી.
ન ફીર બીઅલર તુ કરેગી સવાલ,
યો એક દમમેં કર દેગા તુનકો નેહાલ.
(અવાખ દેના નેગનકા કાલેદેવકો તઅનો લગાવદસે.)

મનકુર-તર્ન.

નેગન-એ ખાતેં ન લાના નખાંપર કહી,
ફીરીસે અછી નહીં દીલ લગી.
ખજા યો મેશ દેને વાલા હુવા,

નઈ ઈન્દરસભા.

(૫૫)

જુશામતસે મુહ તૈરા કાલા હુવા.
ફીરીરોંકો દોલતકી પરવા નહી,
ચહાં હરયછઞ્ઞફનલસે કયા નહી.
નેગાનેકા રાન્ન તલજગાર હુએ,
તો યાં કીસકો ચલનેમે ઈનકાર હુએ.
('નના નેગનકા કાલેદેવકે સાથ)

જાબ દુસરા-પરઘાસાતવાં.
દરબાર.



(૫૬)

તોહફેએ દીલકીશા

ઉફે

(આના કાલેદેવકા નેગનકી લીએ ફુવે.)

પંચમ-મસનવી.

કાલાદેવ- મહારાન કીને ઈંધર અબ નીઘાહ,
એ નેગન હએ હાલર બહાલે તજાહ.
મીલા કીસ બરાબીસે ઈસકા નીશાં,
ફુવા મંએ પરસતાંમે હરસુ રવાં.
બહોત નલ્ જીનમતમે આયા હું મંએ,
અજાડેમે નેગનકી લાયા હું મંએ.

(પુછના ઈન્દરકી નેગનસે.)

મનકુર- તર્ન.

ઈન્દર- અરી નેગન અયે દદકી મુજતેલા,
ફેકીરીંકા કયું લેસ તુને લીયા.
ફીદા કીસપે હએ કીસપે શયેદાં હએ તુ,
કોઈ આદમી હે પરી ચા હએ તુ.
કહાંસે ચહાં તેરા આના ફુવા,
કે મુશતાકે સારા નમાના ફુવા.
કીસે ઘુંડતી ફીરતી હએ કુબકુ,
ઊડાતી હએ નંગાલકી કયું બાકે તુ.
(નવાબ દેના નેગનકા ઈન્દરકી જગમ.)

મનકુર- તર્ન.

નેગન- મહારાન પુછો ને નેગનકા હાલ,

નઈ ઈંદર રત્ના.

(૫૭)

ફકીરોંકા દીલ દર્દસે હુએ નીલાલ.
મેરા મુનસે માઅશુક હુએ છુટ ગયા,
મેરા રાન ઈસ દેશમે લુટ ગયા.
યહાં હુંડને ઊસકો આઈ હું મંચે,
ખી રોગન હું ગમકી સતાઈ હું મંચે.
સુનાતી હું ગાના ને હુએ મુનકો યાદ,
અનખ ક્યા ને મીલ નચે દીલકી મુરાદ.
અગર રાગસે ગએર હો દીલકા હાલ,
નનેગનકા રદ કીલશેંગા સચાલ.
(ગાના નેગનકા હસ્થ હાલ અપને)

ખંનરા.

નેગન-નખ મુર્ગે સહર લલકારા, ખેપ લાદ ગયા ખંનરા.
દેખો ખાલી ઊમર ભોલાપન, કર તન્હા ગયે મુનેહ સાનન,
નલ નયો એ નેખન સારા-ખેપ.
ક્યા પીયાને દીલમે ઠાની, ને મુનસે ફીઈ ખેઈ માની, ન
કીસ સૌતન ને મારા નનરા-ખેપ.
કહો કોન દીસા અખ નવું, કીસ તરફ પીયાનો પાવું, ન
કહાં કહાં કઈં ન પુકારા-ખેપ.
ધુંડી ઉત્તર દેખન ખાલમ, ધુમી સારા પુરખ પછમ, ન
કહીં મીલાન પ્રીતમ પ્યારા-ખેપ.
અએ સખા પીયુસે કહેના, હુએ રહન તેરે ખીન નાજી

(५८)

तोहूँ खे दिय कोशा

उई

जे भया छिड़ने भारा-जेप.

ज्या जयां हो रंने गमडा; नारहा लरोसा हमडा, न
को छी घडी हो दुये हमार-जेप.

जस न्याघासता भत प्यारे, आ लपट गलेसे हमार, न
हजे "हरीई" गमडा भारा-जेप.

(छरशाह करना छिड़ना न्ने गनसे दीगर गाने के लीखे-)

जींने टी-हुमरी.

परदेसन न्ने गनी-तर्न.

छिड़र-

कर शाह हमे आ ज न्ने गननी, भत चारी पीआरी न्ने गननी-कर
घे हुकम हजे सुनतु हमार, मुशताह हजे भन भा सारा,
कुछ सुनारा गरंग प्यारा, ता होवे खे नलसा रीशननी-ऊ.
हो गबल रेजता भुजभस, भुसमीनो सीने भुसदस,
उतख ई रेजा छे भुसलस, सजरंग रागनी दुरहन्नी-ऊ.
कत्यान घुरपत प्यारी, जेभांये हुमरी न्यारी,
जेहाग लखेरवी सारी, हरसाह हरजी सुभरननी-ऊ.
देज हस्न तेरा यकता छे, तजीयतली मेरी लेहरा छे,
हजे "हरीई" तुनको घोहरा छे, सज्जन मेरा खे गुलशननी-ऊ.

(रकस करना न्ने गनडा.)

भनकुर-तर्न.

न्ने गन-

નઈ ઈન્દરસભા.

(૫૫)

મેરી દુલડી કીસ્મે ચુરાઈની, મતવારી પીચારી દુલડીની-મે.
 કુનદનકી જનીથી દુલડી, હીરોંમે ચુનીથી દુલડી,
 ઓ ચન્દ્ર મુનીથી દુલડીની, થે મોતી ઉસમે તડાઈની-મેરી.
 મેરે ગલેકી મોહન માલા, લેગઈ કોઈ દલાલા,
 ખુદાકરે મુંહ ઉસકા કાલા, કહો કીસને ઉસકો છુપાઈની-મે.
 લાવો લાવો દુલડી મેરી, ન તો સુનોગે તેરી મેરી,
 જું "હરીફકી" મંખે ચેરી, હો નનએગી નાહક ખુરાઈની-મેરી.
 (ખુશ હોના ઈન્દરકા દેના ગીલોરી પાનકી નવાજ દેના
 ભેગનકા મહુન હોકર.)

નસર.

ભેગન-પાન લેકે ક્યા ફરે કીસી સખત રંગકા ધ્યાન હુએ,
 હડકીયાં ચુના હુએ જદન ધાન પાન હુએ.
 ઈસ્ક લહુ પી પી કે રંગ લાયા હુએ,
 ફીરાકને કલકા જીડા ઉઠાયા હુએ.
 ગીલોરી લીએ મુને હુ ક્યા તડતા હુએ,
 ફેકીરોંકા મુહ કીન કીલ સકતા હુએ.
 (ગાનાં ભેગનકા ફીરાકે યારમેં)

ત્તએરવી-હુમરી.

ભેગન-કહાં ગયો શાહુન દા નની પયારા,
 દીલ તડપેરે હમારા-કહાં.
 વાકા પતા કહી લાગત નાહી,

(६०)

तोहूँके दीलकीशा

उई

हुंड हीरी जन सारा - उहां.
जीन ननी के रिन नयेननमे,
रश्मेन दीन अंधीआरा - उहां.
ग्यानमे नयेसे सुर्ज मछरीआं
तउपत होणा जीआरा - उहां.
जीई उहे विस्तारसे नकर,
तुमरे हमका सहारा - उहां.

(हुजारा जुश होना रिनदरहा और हार देना और नवाज
देना न्गेनका.)

नसर.

न्गेन- हार ननहार नलुंगी दीलकी पार हुअे,
अपना गुल ओन्नर गलेका हार होतो अहार-हुअे.
रानके दरमें पलेसे आई हुं, न्गे मांगुसो पाछिं.
(जौल देना रिनदरहा न्गेनकी शाह होकर और न्हेर होना
छुपे हुवे लीजासमे न्गेनका.)

नयेरवी - गनल.

सज्जपरी - होता जीई आनमे अज काम हमारा,
रिन आनमें दीने हुमे गुलकाम हमारा - होता.
अज योहसे युसुईको नीकलवायो हमारे,
घुटना हुअे अंपरेमें दीलाराम हमारा - होता.
आशकने तेरे मांगलीआ रानसे तुनकी,

નઈ ઈન્દરસભા.

(૬૧)

દેખાએ કીઈ ઈસકો એ પએગામ હુમારા-હોતા.
આ નનએ અગર ચારનો છાતીસે લગાસું,
સીનેમેં તપાં હુએ દીલેના કામ હુમારા-હોતા.
મંગવાઈએ શાહુનદેકો અબ દેર ન કીને,
નામ આપકા હો જલ્કમેં ઓર કામ હુમારા-હોતા.
(કેરમાના ઈન્દરકા લાલદેવસે ગુલકામકી રેહાઈ કેલીએ.)

આસાચરી-મસનવી.

ઈન્દર- અરે લાલદેવ ઈસ તરફ નજ આ,
જગ સુનકો બેગનને ધોકા દીયા.
જનાવટ કીથી સારી ન્નદુગીરી,
નહી આદમી હુએ સજ્જપરી.
ઈસે નરકી ખ્યા હુશ નયાં લાઈથી,
છુડાને ગીરફતીરકો આઈથી.
કલી ઈસકો મીલતા નવો ગુલએનર,
મગર કોલ હારા હું મંએ તીન ખાર.
નીકાલ અબ કુવેસે તુ ગુલકામકો,
હવાલે કર ઈસનેક અબ્નમકો.

(નના લાલદેવકા સર પીરતે હુવે ઓર લાના ગુલકામકો
ઓર બગલગીર હોના આશકો માઅશુકકા.)

ત્રએરવી-ગલલ.

સજ્જપરી- ફરથા ફીનર ક્યા મતથી બુદાઈ તેરી;

(૬૨)

તોફાન એ દિલકોશ

ઉઠે

મેરે ખાલેકને મુનેહ શકલ દીખાઈ તેરી.
ગુલશામ-ખાક હયે મુરુપે મલી જાલ હયે સરકે જીખરે,
હાયેઈસ ઈસ્કને ક્યા શકલ જનાઈ તેરી.
સખ્તપરી-મુતપે હોનાથા ને કુચે હોગયા ઊસ્કા નહીં ગમ;
હો ગઈ કયેદે મુસીખ તસે રેહાઈ તેરી.
ગુલશામ-મંચે તેરે હાથ લગા તુ મેરે ફેદે મે ફેસી;
મેરા મતલબ કુચા ઉમ્મીદ ખર આઈ તેરી.
સખ્તપરી-હયે તમન્ના યે મેરે દાલમે કે અજ હશ તલક,
ફેઝલે ખુદાસે દેખું ન બુદાઈ તેરી.
(મીલાના હાથ ગુલશામો સખ્તપરીકા રાન્ન ઈંદરને જાખુશી
ઓર મુજારક ખાદ ગાના સત્તોને ખુશવકતી મેં)

ત્તઓરવી-ગતલ.

સાજ-શાહીએ બુલવચે ગુલશામ મુજારક હોયે,
અયેશી અશરતકા સરનન્નમ મુજારક હોયે.
ખાદ મુદદત કે ફેસીનોકા નસીખા નગા,
ફેશી રાહતપે અજ આરામ મુજારક હોયે.
પી ચુકે ખુને ભગર હીનરમે ભ ભરભરકે,
શરખતે વસ્તકા અજ નમ મુજારક હોયે.
ફર નન્નતકો મુજારક હો ફેલકકો તારે,
ખાગકો ગુલ હમે ગુલશામ મુજારક હોયે.
ખેલ પુરા કુચા ખા રકસો સુદો ખુશસે,

નઈ ઈન્દરસત્તા.

(૬૩)

અહલે મહુડીલકો અજ આરામ મુજારક હોયે.

તમામ શુદ્ધ.

મેહેતા નમનાદાસ લગવાનદાસની કુંપનીએ

પ્રેગટ કરેલાં પુસ્તકો.

શાળોપયોગી પુસ્તકો.

રૂ. આ. પૈ.

સેન્ડ્રી મર્દનના મિનિંગ (૧૫૪ પાનાના).

૦-૧૨-૦

રોયલ સ્કુલ પ્રાઈમરના મિનિંગ.

૦-૪-૦

રોયલ રીડર નં. ૧ જાના મિનિંગ.

૦-૬-૦

રોયલ રીડર નં. ૨ જાના મિનિંગ.

૦-૮-૦

રોયલ રીડર નં. ૩ જાના મિનિંગ.

૦-૧૦-૦

રોયલ રીડર નં. ૪ જાના મિનિંગ.

૦-૧૦-૦

રોયલ રીડર નં. ૫ માના મિનિંગ.

૦-૧૨-૦

ફાયર્ડ ફ્રીટ પ્રાઈમરના મિનિંગ (૨ મોટા).

૦-૪-૦

ફાયર્ડ ફ્રીટ અંગ્રેજી જીન્યુ ઓપડીના મિનિંગ.

૦-૬-૦

શરસી આપ્પાદન નામાનો અંગ્રાજી નુમો.

૦-૨-૦

શાળોપયોગી કોષકો.

૦-૧-૦

ન્યુ રોયલ નં. ૧ જાના મિનિંગ.

૦-૬-૦

ન્યુ રોયલ નં. ૨ જાના મિનિંગ.

૦-૮-૦

ન્યુ રોયલ નં. ૩ જાના મિનિંગ.

૦-૧૧-૦

ન્યુ રોયલ પ્રાઈમરના મિનિંગ.

૦-૩-૦

શોર્ટ સેન્ડ્રીસ (ઈંગ્લીશ અને ગુજરાતી).

૦-૨-૦

જાળમિત્રના મિનિંગ.

૦-૩-૦

જાળમિત્ર પોથી અથવા ગુજરાતી પેહેલી ઓપડી.

૦-૧-૦

પારતાઓના પુસ્તકો.

ગીરધર કૃતરામાયણ.	૨-૮-૦	શ્રીહરશીખવાની ચોપડી.	૦-૮-૦
બળધર આખ્યાન.	૧-૮-૦	શ્રીકૃત ગાઈડ.	૦-૧-૦
મૃદાલસા આખ્યાન.	૦-૮-૦	દરેક માણસ બને વૈદ.	૧-૦-૦
સ્ત્રી બિલાસગરખાવળી.	૦-૮-૦	કૃતળી ગાયન સંગ્રહ.	૦-૧૨-૦
દળપત અને ધનપાળનીવાર્તા.	૦-૨-૦	મુરખાની વારતા.	૦-૧૨-૦
સન્નતા મેળવાના સાધન.	૦-૨-૦	અલીમન્યુનો ચક્રાવો.	૦-૮-૦
પાર્વતી લક્ષ્મીભૂતનો સંવાદ.	૦-૧-૦		

ગિરધરકૃતમાં છાપેલાં પુસ્તકો.

તોફાંચે દીલઝીર (બનનચા.)	૦-૧-૦	નયરંગે ઈશ્ક.	૦-૪-૦
ગુલશને ખાહાર અફઝા.	૦-૨-૦	દાદે દરિયા.	૦-૩-૬
નફીસે સુલેમાની.	૦-૨-૬	મતીનચે અસ્મત.	૦-૩-૦
અન્નમે સજાવત.	૦-૫-૦	ગુલશાને બેનઝીર.	૦-૪-૦
અલીખાખાને ચાલીસ ચોર.	૦-૩-૦	અફઝીરે આઝમ.	૦-૪-૦
ગુલશને બેદાદ.	૦-૩-૦	ગુલેજકાબલી નઈ.	૦-૪-૯
ગુલશને બેખાર.	૦-૩-૦	હાત મતારી.	૦-૪-૦
લયેલી મનનુ.	૦-૨-૦	નાફમુદશાફગનનવી.	૦-૪-૦

નાટકનાં પુસ્તકો.

ગુલશને બેખાર ઉર્દૂ તમાશાદારે પુરખહાર ઉર્દૂનેની અંદર			
ઉર્દૂ ખેલો, બેનલસા, બંદગીઓ, બન્નરાના ગાયનો, તથા મુ			
નરાઓમાં ગવાતી ૧૫૦ ગાનવાનો સંગ્રહ કી ધો છે.	૧-૪-૦		
ચંદ્રસેનને ચંદ્રપ્રભા નાટક.	૦-૬-૦		
બ્રંદા ડુબેચરિક.	૦-૬-૦		
છેલ સેલાણી અને વિક્રમ ચરીત્ર નાટક.	૦-૬-૦		
તમાશાએ નતિનચે અસ્મત.	૦-૬-૦		
અન્નમે સજાવત ઉર્દૂ જાદશાહે ખોદા દોસ્ત.)	૦-૫-૦		
ચંદન મહ્યાગરી નાટક. (પાંચેમી આઘાત.)	૦-૪-૦		
તમાશાએ ચાંદખી.	૦-૪-૦		
મંકેભૂના (ઉર્દૂ ચાંદસર ચેરતાર.)	૦-૪-૦		
ગુલશને બેદાદ ઉર્દૂ શીરીં ફરફાદ.)	૦-૪-૦		

(૩)

રોહકેયે દીલકોશા (ઉર્ફે નઈ ઈન્દર સૂત્રા)	૦-૩-૦
લોખતે અસર અથવા મોહન પુખ્તદશક	૦-૩-૦
નયરંગે ઈશ્ક	૦-૪-૦
નકશો સુલેમાનીનો ગિરજુ ખેલ	૦-૩-૦
ગુલશને ખાહાર અફૂન (ઉર્ફે નઈ ઈન્દર સૂત્રા)	૦-૨-૦
ગુલે ખઢાવલી નવી	૦-૪-૦
અન્નમે સુખન (ઉર્ફે તીરીયા ચરતર)	૦-૩-૦
ગુલશને ખેજાર (ઉર્ફે ખુલખુલે ખીમાર)	૦-૩-૦
અલીખાખા ચાલીસ ચોર	૦-૩-૦
ઘાટે દરિયા (ઉર્ફે ખાદશાફ ખુદાદાદ)	૦-૪-૦
ઈશ્ક નવખહાર (ઉર્ફે અંદખદન મોહીયાર)	૦-૨-૦
નંદરાબ્બ અને સતિ સુલોચનાના ગાયનો	૦-૨-૦
લયેલી મનનુ	૦-૨-૦
ધ્રુવ અપ્યાન ખેલમાં ગવાતાં ગાયનો	૦-૧-૬
રસીકાનો અતિ રમુઠ શારસ	૦-૧-૦
ચોલાફ શાફરજી તથા ગુરૂબની ગડખડનો શારસ	૦-૧-૦
શ્રીકૃષ્ણવીલ્લસ ગાયન	૦-૨-૦
મોતી શા અને હાફી પફુનો શારસ	૦-૨-૦
નલસાચે સનોખર	૦-૩-૦
અફસીરે આઝમ ઉર્ફે તીલસ્માતે સુલેમાની	૦-૧-૬
ખીન્ન નારકુના તથા પરચુરણ પુસ્તકો	
હિંદુસ્તાની ગાયન સંપ્રદાય ત્રાગ વર, ઠ, દર અંકનો	
સીતમે હામાન ઉર્ફે દેરે ખે અન્નજાલ	
અન્નમે ખેલકેલ ઉર્ફે કુમાયુન નાસીર	
નકાએ સીત મગર	
ખેનજર જદરે મુનીર	
પુરન ભજાત	
દીસાનચે	

ઈન્નાઈ માફમુદશાહ ગતનવી.	૦-૮-૧
નુજમે અબ્બાસ ઉર્દૂ નૃસા ખો વૈસા લી.	૦-૬-૧
ફરેજે ફીલા ઉર્દૂ થાહતે નર.	૦-૬-૦
ખ્વાજે મોહુખત.	૦-૬-૦
અબ્બાસે ખાતે પરસ્તાન.	૦-૬-૦
ગુરે રાષ્ટ્રશાહ.	૦-૬-૦
તીલસમે નેહરા.	૦-૩-૦
અખીરશાહ ગોહર.	૦-૩-૦
શકુન્તલા.	૦-૩-૦
સદેવત સાવલીંગા.	૦-૧-૬
કામસેન રસી કાના ગાયન.	૦-૧-૦
ઓખાહરણાનો ઓપેરા.	૦-૧-૦
ફેકમણી ફરણા.	૦-૧-૦
સંગીત ગાયન સંગ્રહ.	૦-૮-૦
ગોપીચંદ નાટક (ગુનરાત્રી).	૦-૬-૦
મુલ્કુડીક નાટક.	૦-૮-૦
ફરણ ધેલાના ગાયન.	૦-૧-૦
મદાલસા.	૦-૧-૦
વીરસિંહ ચંદ્રિકા.	૦-૧-૦
નારાયણરા પેશવાનો ખેલ.	૦-૩-૦
તે અફઝા.	૦-૩-૦
ગાફરી.	૦-૨-૦
પન્નદરશાહ.	૦-૨-૦

તે દરેક નવતની નાટકની, ચારતાઓની, અંગ્રજી, ગુજ
પર મળશે, નથાજાંધ લેનારને કમીશન

—

નવાસની કુંપની,
નવાસ,

